(ख) लक्ष्य प्राप्त करने के वास्ते सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) योजना आयोग द्वारा गठित लोहे तथा इस्पात पर कार्यकारी दल ने सातवीं योजनावधि के दौरान विक्रेय इस्पात के उत्पादन के प्रक्षेण का अनुमान लगाया है, जो इस प्रकार है :—

(लाख टन)

	1985–86	1986–87	1987–88	1988–89	1989–90
सर्वतोमुखी इस्पात कारखाने	76.4	83.5	87.0	96.5	103.1
गौण उत्पादक	22.2	23.3	24.4	25.7	27.1
स्क्रैप पुनर्वेलक	3.6	3.6	3.6	3.6	3.6
	102.2	110.4	115.0	125.8	133.8

वर्ष 1994–85 के दौरान विक्रेय इस्पात का वास्तविक उत्पादन इस प्रकार है :—

	(लाख टन)
सर्वतोमुखी इस्पात कारखाने	70.0
गौण उत्पादक	23.3
	93.3

इसके अलावा स्क्रैप पुनर्वेलकों द्वारा लगभग 3 लाख टन इस्पात का उत्पादन किया गया परन्तु सही आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

(ख) सातवीं योजनावधि के दौरान सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखाने अपने अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बेहतर क्वालिटी के आदानों की पर्याप्त मात्रा में सप्लाई सुनिश्चित करने के लिये प्रयास करेंगे । सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों के बेहतर रख-रखाव, उनके आधुनिकीकरण तथा उनके रास्ते में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिये योजनाएं बनायी जा रही हैं । मालिक-मजदूर सम्बन्ध मैत्रीपूर्ण बनाने तथा इस्पात क्षेत्र में कार्य को नया रूप देने के बारे में भी प्रयास किए जा रहे हैं । संयंत्र आधुनिकीकरण के बारे में बनायी जा रही विभिन्न योजनाओं से कच्चे माल के बेहतर सम्मिश्रण, ऊर्जा की खपत को कम करने, बेहतर उत्पादकता तथा क्षमता का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलेगी । इन सभी उपायों से भारतीय इस्पात उद्योग को अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा उत्पादन लागत में वृद्धि पर काबू पाने में मदद मिलेगी ।

लघु इस्पात क्षेत्र तथा पुनर्वेलकों को कच्चे माल की पर्याप्त मात्रा में सप्लाई करने तथा उनकी बिजली की सप्लाई में सुधार करने के लिए लगातार उपाय किए जाने हैं ।

भारतीय वस्तुओं का प्रचार

1062. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय वस्तुओं का प्रचार करने के लिए उनका मंत्रालय विदेशों में मेलों का आयोजन करता है या अन्य देशों द्वारा लगाये गए मेलों में भाग लेता है; और

(ख) यदि हां, तो 1985–86 और 1986–87 के वर्षों में भारत ने जिन मेलों में भाग लेने का निर्णय किया है उनके नाम क्या हैं तथा वहां किस प्रकार की

की वस्तुएं प्रदर्शित किये जाने की आशा है और इस संबंध में उनका पिछला अनुभव क्या रहा है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) जी, हां । भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण विदेशों में मेलों में सहभागिता का आयोजन करता है और विदेशों में विशिष्ट भारतीय प्रदर्शनियां भी आयोजित करता है ।

(ख) उन मेलों के नाम, जिनमें भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण का 1985–86 के दौरान सहभागिता आयोजित करने का प्रस्ताव है, संलग्न विवरण में दिये गये हैं । वर्ष 1986–87 के लिए मेलों के कार्यक्रम को अन्तिम रूप नहीं दिया गया है ।

प्रदर्शन के लिए उत्पादों की मुख्य श्रेणियां हैं, इंजीनियरिंग की मदें जैसे कि पूंजीगत संयंत्र तथा उपस्कर, मशीनी औजार, मिट्टी हटाने की मशीनरी, इलैक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटर पैरिफैरल्स, रसायन तथा संबंद्ध उत्पाद, सभी किस्मों के वस्त्र, खेल सामान , साधित खाद्यपदार्थ, चमड़े का सामान तथा हस्तशिल्प की वस्तुओं, चाय, काफी आदि जैसी परम्परागत मदें । भारत के स्वरूप और अब तक हमारे द्वारा प्राप्त प्रौद्योगिकीय तथा विज्ञान संबंधी क्षमताओं की जानकारी देने के अलावा इन मेलों तथा प्रदर्शनियों ने अच्छा व्यवसाय सृजित किया है जिसे मौके पर प्रदर्शित वस्तुओं की निम्नलिखित बिक्री और बुक किए गये आर्डरों से देखा जा सकता है :—

(लाख रु० में)

वर्ष	आयोजित मेलों की संख्या	प्रदर्शित वस्तुओं की मौके पर बिक्रियों पर	बुक किया गया व्यवसाय
1982–83	38	120.26	9050.41
1983–84	42	132.45	7190.09
1984–85	38	77.13	35761.38
1985–86 . . . . (अक्तूबर 1985 तक)	20	2.41	30327.20

विवरण

उन मेलों के नाम जिनमें भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण का 1985–86 के दौरान सहभागिता आयोजित करने का प्रस्ताव है ।

क्रम सं०	मेले का नाम	
1	हेनोवर अन्तर्राष्ट्रीय मेला, हेनोवर	17–24 अप्रैल, 1985
2	कैसाब्लांका अन्तरराष्ट्रीय मेला, कैसाब्लांका (मोरक्को)	25 अप्रैल–5 मई, 1985
3	जिम्बाब्वे अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेला, बुल्वायो (जिम्बाब्वे)	27 अप्रैल–5 मई, 1985
4	पोजनान अन्तरराष्ट्रीय मेला, पोजनान (पोलैण्ड)	9–16 जून, 1985
5	तेहरान अन्तरराष्ट्रीय मेला, तेहरान (ईरान)	1–12 सितम्बर, 1985

क्रम सं०	मेले का नाम	
6	डागन्स हृशाल—अन्तरराष्ट्रीय उपभोक्ता वस्तु मेला, गोथेनबर्ग (स्वीडन)	13–22 सितम्बर, 198
7	विदेशी आयात मेला, बर्लिन	25–29 सितम्बर, 1985
8	बुडापेस्टशरद अन्तरराष्ट्रीय मेला, बुडापेस्ट (हंगरी)	27 सितम्बर–6 अक्तूबर, 1985
9	बुखारेस्ट अन्तरराष्ट्रीय मेला, बुखारेस्ट (रूमानिया)	10–17 अक्तूबर, 1985
10	बगदाद अन्तरराष्ट्रीय मेला, बगदाद (इराक)	1–15 नवम्बर, 1985
11	एस्पात "85–एशिया एवं प्रशान्त अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेला, बीजिंग (चीन)	15–30 नवम्बर, 1985
12	अन्तरराष्ट्रीय वसंत मेला गिफ्टवेयर तथा हार्डवेयर बर्मिघम (यूनाइटिड किंगडम)	2–6 फरवरी, 1986
13	काहिरा अन्तरराष्ट्रीय मेला, काहिरा (मिस्र अरब गणराज्य)	8–21 मार्च, 1986
14	लिप्जिग वसल्त मेला, लिप्जिग (जर्मन लोकतंत्रीय गणराज्य)	16–22 मार्च, 1986
	भारतीय प्रदर्शनियां	
15	भारतीय प्रदर्शनी, पेरिस	6–15 दिसम्बर, 1985
16	भारतीय प्रदर्शनी, दोहा (कतार)	8–17 फरवरी, 1986
17	भारतीय प्रदर्शनी रियाध, (सऊदी अरब)	19–28 फरवरी, 1986
18	भारतीय प्रदर्शनी, नैरोबी (केन्या)	14–23 मार्च, 1986
	विदेशीकृत वस्तु मेले	
19	स्टार मेला, मिलान (इटली)	23–27 मई, 1985
20	अन्तरराष्ट्रीय चमड़ा प्रदर्शनी, हांगकांग	30 मई–2 जून, 1985
21	अन्तरराष्ट्रीय चमड़ा मेला, सिंगापुर	5–8 जून, 1985
22	अन्तरराष्ट्रीय चमड़ा शो, न्यूयार्क (संयुक्त राज्य अमरीका)	11–13 जून, 1985
23	नेशनल हार्डवेयर शो, शिकागो (संयुक्त राज्य अमरीका)	12–15 अगस्त, 1985
24	सीमेन डु कुअर, पेरिस (फ्रांस)	7–10 सितम्बर, 1985
25	6 ई एम ओ–यूरोपीय धातु कार्य प्रदर्शनी, हेनोवर (जर्मन संघीय गणराज्य)	17–25 सितम्बर, 1985
26	स्पोगा-खेल सामान, कैम्पिंग उपकरण तथा गार्डन फर्नीचर का अन्तराष्ट्रीय व्यापार मेला (जर्मन संघीय गणराज्य)	22–24 सितम्बर, 1985
27	प्रेट-ए-पोर्टर फेमिनीन, पेरिस (फ्रांस)	28 सितम्बर–2 अक्तूबर, 1985
28	अनूगा खाद्य पदार्थ मेला, क्लोन (जर्मन संघीय गणराज्य)	12–17 अक्तूबर, 1985

क्रम सं०	मेले का नाम	
29	इन्टरस्टाफ अन्तरराष्ट्रीय परिधान, वस्त्र व्यापार मेला, फ्रेंकफर्ट (जर्मन संघीय गणराज्य)	28–30 अक्तूबर, 1985
30	हिमटैक्सटिल इण्टरनेशनल ट्रेड फेयर फार होम एण्ड हाउस होल्ड टैक्सटाइल्स, फ्रेंकफर्ट (जर्मन संघीय गणराज्य)	10–11 जनवरी, 1986
31	समर होम फरनीशिंग शो, लॉस एंजिलिस	26–31 जनवरी, 1986
32	आटोपार्टस 86–आटोमोटिव पार्टस एण्ड असेसरीज मेला, लन्दन (यूनाइटिड किंगडम)	16–18 फरवरी, 1986
33	प्रेट-ए-पोर्टर फेमिनीन, पेरिस (फ्रांस)	15–19 फरवरी, 1986
34	रोका खाद्य मेला, उट्रेक्ट (नीदरलैण्ड्स)	23–27 फरवरी, 1986
35	न्यूयार्क उपहार शो, न्यूयार्क	23–27 फरवरी, 1986
36	अन्तरराष्ट्रीय फूड एण्ड कन्फेक्शनरी शो, सेन फ्रेंसिस्को	2–4 मार्च, 1986
37	अन्तरराष्ट्रीय हार्डवेयर मेला टूल एण्ड लोक्स एण्ड फिटिंग्स, बिल्डिंग एण्ड डी० आई० वाई० सप्लाईज एण्ड क्लोन (जर्मन संघीय गणराज्य)	2–5 मार्च, 1986
38	होटर्स एण्ड फूडेक्स मेला, टोकियो (जापान)	11–15 मार्च, 1986

भारतीय व्यापार

1063. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों में जिन देशों के साथ भारत का व्यापार बढ़ा है उनके नाम क्या हैं और वहां किन-किन वस्तुओं की मांग है ;

(ख) वे वस्तुए कौन सी हैं जिनका भारत अरब देशों के साथ व्यापार कर रहा है और क्या इंजीनियरी वस्तुओं तथा कृषि उत्पादों जैसी कतिपय वस्तुओं की मांग में भी वृद्धि हुई है ; और

(ग) क्या विभाग राजभाषा में एक दनिक पत्रिका प्रकाशित करने का विचार रखता है जिसके माध्यम से लोग यह जान सकें कि किन किन देशों में किस-किस भारतीय वस्तु की मांग है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) जिन प्रमुख देशों के साथ भारत के कुल व्यापार (आयात तथा निर्यात) में गत दो वर्षों के दौरान वृद्धि हुई है उनमें संयुक्त राज्य अमरीका, सोवियत संघ, जापान, यू० के० जर्मन संघीय गणराज्य, बेल्जियम, कनाडा, इटली, नीदरलैंड, स्विटजरलैंड, यू० ए० ई० मलयेशिया, नेपाल, तथा सिंगापुर शामिल हैं ।

(ख) अरब देशों को भारत के निर्यातों की महत्वपूर्ण मदों में मशीनरी तथा परिवहन उपस्कर, धातु लोहे तथा इस्पात की बनी वस्तुएं, विविध विनिर्मित वस्तुएं वस्त्र यार्न, फैब्रिक्स, मछली, मांस, चाय, मसाले, तथा अनाज शामिल हैं। अरब देश कच्चे तेल, एवं फास्फेट, उर्वरकों आदि सहित कच्चे माल तथा विनिर्मित आदानों की सप्लाई के एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं । अरब देशों की विशेषतः इंजीनियरी माल तथा अन्य मूल्य वर्धित मदों और रत्न तथा आभूषणों के भारत से आयात के लिय पर्याप्त संभाव्यता है ।